# संक्रमण एवं सगर्भता

## अपने शिशु की सुरक्षा

यह विवरणिका कुछ ऐसे संक्रमणों के बारे में बताती है जो आपके शिशु के लिए समस्या उत्पन्न कर सकते हैं, परंतु उनका उपचार किया जा सकता है।
यह निम्न हैं:

- ह्यूमन इम्यूनोडिफिसिएंसी वायरस (HIV);
- हेपटाइटिस बी; और
- सिफिलिस।

इन सभी संक्रमणों के लिए जाँच संबंधी परीक्षण मौजूद हैं और इन्हें आपकी दाई आपको प्रदान करेगी।

यह विवरणिका आपको रूबेला (जर्मन खसरा) से बचने के बारे में भी जानकारी देती है।

आप चुन सकती हैं कि आप यह परीक्षण करवाना चाहती हैं या नहीं। इस विवरणिका में मौजूद जानकारी आपको यह निर्णय लेने में मदद करेगी कि आप कौन–कौन से परीक्षण करवाना चाहती हैं। निर्णय लेने से पहले आप अपनी दाई और चिकित्सक से भी इन परीक्षणों के बारे में चर्चा कर सकती हैं, और परीक्षणों के लिए स्थानीय व्यवस्था के बारे में पूछ सकती हैं।

इन सभी संक्रमणों के लिए जाँच संबंधी परीक्षण राष्ट्रीय जाँच समिति द्वारा अनुमोदित हैं। यह समिति विशेषज्ञों का मंडल है जो जाँच संबंधी परीक्षणों की प्रभावशीलता और उनके लाभों का अवलोकन करने के लिए गठित किया गया है।

## परीक्षणों की अनुशंसा क्यों की जाती है?

प्रत्येक सगर्भता में HIV, हेपटाइटिस बी और सिफिलिस के लिए जाँच प्रदान की जात्री है और इनकी सलाह दी जाती है। यदि आपको इनमें से कोई संक्रमण है और उसका उपचार नहीं किया जाता, तो सगर्भता के दौरान, जन्म लेते समय या जन्म के उपरांत आपके शिशु को आपसे वह संक्रमण हो सकता है।

इनमें से सभी संक्रमण गंभीर हो सकते हैं और यदि इनका उपचार नहीं किया गया तो ये शिशु को गंभीर क्षति पहुँचा सकते हैं। इन संक्रमणों से ग्रस्त अधिकांश व्यक्ति बीमार महसूस नहीं करेंगे और नहीं जान पाएंगे कि उन्हें यह संक्रमण है। यदि आपको इनमें से कोई संक्रमण है, तो उपचार द्वारा आपके शिशु को इस संक्रमण के होने की संभावना में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

## परीक्षण कैसे किए जाते हैं?

HIV, हेपटाइटिस बी, सिफिलिस और रूबेला सुग्राह्यता (रूबेला से सुरक्षा नहीं) के लिए जाँच संबंधी परीक्षण एक रक्त नमूने से किए जा सकते हैं।

आप चुन सकते हैं कि कौन–कौन से परीक्षण करवाने हैं। इनमें केवल रक्त की अल्प मात्रा की आवश्यकता होती है।

सामान्यतः रक्त परोक्षण सगर्भता की शुरूआत में किए जाते हैं।

Information for Women
© Public Health Wales

## मुझे परीक्षण क्यों करवाना चाहिए?

HIV, हेपटाइटिस बी और सिफिलिस के लिए जाँच स्वीकार कर आप यह पता लगाने का निर्णय लेती हैं कि आपको संक्रमण है या नहीं ताकि आपके अजन्मे बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए सभी संभव कदम उठाए जा सकें।

## रक्त परीक्षण कहाँ किया जाएगा?

आपकी दाई बताएगी कि आप कहाँ परीक्षण करवा सकती हैं।

## क्या जाँच में कोई जोखिम है?

जाँच एक आसान सा रक्त परीक्षण होता है। इसमें जोखिम केवल वही है जो कोई भी रक्त जाँच करवाने में हो सकता है।

## यदि मैं HIV, हैपटाइटिस बी या सिफिलिस के लिए जाँच न करवाने का निर्णय लेती हूँ तो क्या होगा?

यदि आप HIV, हेपटाइटिस बी या सिफिलिस के लिए जाँच न करवाने का निर्णय लेती हैं, तो आपकी दाई आपसे इसका कारण पूछ सकती है ताकि सुनिश्चित कर सके कि आपने परीक्षण के कारणों को समझ लिया है। सगर्भता के दौरान बाद में आपकी दाई आपसे यह पूछ सकती है कि आप जाँच संबंधी चर्चा करना चाहती हैं या नहीं और आपको पुनः परीक्षण की पेशकश कर सकती है।

आप अपनी सगर्भता के दौरान किसी भी समय HIV, हेपटाइटिस बी या सिफिलिस की जाच करवाने के लिए कह सकती हैं।

## मुझे अपने जाँच संबंधी परीक्षणों के परिणाम कहाँ प्राप्त होंगे?

आपकी दाई आपको बताएगी कि आप अपने चुने हुए परीक्षणों के परिणाम कहाँ और कब प्राप्त कर सकती हैं।

## क्या मेरे परिणाम गोपनीय होंगे?

NHS सभी रक्त परीक्षणों के परिणाम गोपनीय रखता है। आपके परीक्षण परिणामों को कितने लोग देख सकते हैं, इस पर अस्पताल की नीतियाँ भिन्न–भिन्न हो सकती हैं। आपकी दाई आपको स्थानीय व्यवस्थाओं के बारे में बता सकती है।

# ह्यूमन इम्यूनोडिफिसिएंसी वायरस (HIV)

## HIV क्या है?

HIV एक ऐसा विषाणु है जो प्रतिरक्षा प्रणाली पर आक्रमण करता है। यह ऐसा विषाणु है जिसके परिणामस्वरूप एक्वायर्ड इम्यून डिफिसिएंसी सिंड्रोम (AIDS) हो सकता है। HIV से संक्रमित व्यक्ति अनेक वर्षों तक स्वस्थ दिखाई और महसूस कर सकता है। व तब तक अपने संक्रमित होने की बात नहीं जान पाते जब तक अपना रक्त परीक्षण नहीं करवाते। तथापि, यह विषाणु सगर्भता, जन्म या स्तनपान द्वारा शिशु में अग्रेषित हो सकता है।

Information for Women

© Public Health Wales

## HIV कैसे ग्रस्त कर सकता है?

HIV निम्न तरीका से ग्रस्त कर सकता है:

- संक्रमित माँ द्वारा इसे सगर्भता, जन्म या स्तनपान के दौरान अपने शिशु में अग्रेषित करने पर;
- संक्रमित व्यक्ति के साथ **किसी भी** असुरक्षित यौन क्रिया (कंडोम के बिना) करने पर;
- वायरस युक्त रक्त या रक्त उत्पाद के आधान करने पर (इनका परीक्षण UK में किया जाता है परंतु अन्य सभी देशों में नहीं किया जाता);
- संक्रमित सुई और इंजेक्शन सामग्री को साझा करने पर; और
- शरीर में छिद्र करने या गोदने वाली अस्वच्छ सुई के संपर्क में आने पर।

## सगर्भता के दौरान HIV के लिए जाँच करवाने से क्या–क्या लाभ हैं?

यदि आप HIV ग्राही हैं और नहीं जानते, तो अधिक संभावना (25%, या 4 में 1 संभावना) होती है कि आपका शिशु HIV ग्राही होगा।

यदि आपमें HIV पाया जाता है, तो आपके द्वारा शिशु में अग्रेषित होने की संभावना कम करने के लिए ढेर सारे कार्य किए जा सकते हैं। आपको विशेषज्ञता पूर्ण उपचार और देखभाल प्रदान की जाएगी। यदि आप प्रदान किया जाने वाला उपचार के लिए राजी होत हैं, तो आपके शिशु में जोखिम घट कर 1% या कम (100 में 1 या कम) हो जाएगा। यह उपचार आपका स्वास्थ्य उत्तम रखने में भी मदद कर सकता है।

## सगर्भता के दौरान HIV के लिए जाँच करवाने से क्या–क्या हानियाँ हैं?

यह पता करने का कोई भी समय उपयुक्त नहीं होता कि आप HIV ग्राही हैं। तथापि, यदि आपको सगर्भता के दौरान इसका पता चलता है, तो आप अपने शिशु को आपके द्वारा विषाणुग्रस्त होने से रोकने में मदद करने वाला उपचार ले सकती हैं।

## क्या मुझे HIV के लिए जाँच संबंधी परीक्षण करवाना चाहिए?

केवल आप यह निर्णय ले सकती हैं कि परीक्षण करना है अथवा नहीं। वेल्स में सभी अस्पतालों में सभी स्त्रियों को HIV के लिए जाँच संबंधी परीक्षण प्रदान किया जाता है क्योंकि शिशु के विषाणुग्रस्त होने की संभावना में कमी लाना संभव है।

## जाँच संबंधी परीक्षण के परिणाम मुझे क्या बताएगा?

HIV के लिए जाँच आपके रक्त में प्रतिपिण्डों की माप करते हैं।

परीक्षण के परिणाम आपको बताते हैं कि आप HIV से संक्रमित है अथवा नहीं। यदि परिणाम दर्शाते हैं कि आपको संक्रमण नहीं है, तो यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आप सगर्भ होते हुए भी संक्रमित हो सकती हैं। यदि आप सगर्भता के दौरान यौन साथी बदलती हैं तो आपको कंडोम का प्रयोग करना चाहिए।

यदि आप रक्त नमूना लेने के कुछ सप्ताह पहले HIV ग्रस्त हुई है, तो संभव है कि आपके शरीर ने प्रतिपिण्डों को उत्पन्न करना प्रारंभ न किया हो तो परीक्षण संक्रमण का पता लगाने में सक्षम नहीं होगा।

यदि आप सगर्भता के दौरान अपना यौन साथी बदलती हैं या चिंतित हैं कि आप HIV, हेपटाइटिस बी, सिफिलिस या अन्य ऐसी बीमारी से ग्रस्त हो गई हैं, जो लोगों के बीच अग्रेषित होती है, तो अपनी दाई से आप सगर्भता के दौरान किसी भी समय अन्य परीक्षण के लिए कह सकती हैं। आप अपने निकटवर्ती यौन स्वास्थ्य चिकित्सालय में भी गोपनीय परीक्षण करवा सकती हैं। आप अधिक जानकारी www.publichealthwales.org पर प्राप्त कर सकती हैं।


© Public Health Wales

## HIV के लिए नैदानिक परीक्षण क्या है?

HIV के लिए जाँच संबंधी परीक्षण बहुत सटीक होता है। यदि जाँच संबंधी परीक्षण दर्शाता है कि आप HIV ग्राही हैं, तो आप अन्य रक्त परीक्षण करवाएंगी ताकि आपका चिकित्सक आपके उपचार की योजना बना सके।

## क्या HIV की जाँच संबंधी परीक्षण करवाने से बीमा पॉलिसियाँ प्रभावित होती हैं?

बीमा कंपनियों को नहीं पूछना चाहिए कि बीमा का आवेदन करने वाले व्यक्ति ने HIV के लिए एक परीक्षण किया है अथवा नहीं। वे केवल यही पूछ सकती हैं कि किसी व्यक्ति का परिणाम ग्राही है अथवा नहीं। यदि आपके पास पहले से एक जीवन बीमा पॉलिसी है तो HIV परीक्षण करने से उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, भले ही परिणाम ग्राही हो, बशर्ते आपन पॉलिसी लेते समय कोई महत्वपूर्ण तथ्य नहीं छिपाया है।

यह जानकारी ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ़ ब्रिटिश इन्श्योरर्स द्वारा संयुक्त दिशानिर्देश से आई है।
जुलाई 2008
वेबसाइट : http://www.bma.org.uk/images/MedicalInfoInsurance_tcm41-173470.pdf

## यदि मुझे HIV है तो क्या होगा?

यदि परीक्षण दर्शाता है कि आपको HIV है, तो आप अपनी दाई और चिकित्सक के साथ यह योजना बनाने में समर्थ हो सकती हैं कि आगे क्या होगा। आपको संक्रमण पर मदद करने के लिए विशेषज्ञतापूर्ण चिकित्सकीय देखरेख और उपचार प्रदान किया जाएगा। इससे आपके शिशु के विषाणु ग्रस्त होने का जोखिम कम करने में मदद मिलेगी।
उपचार में औषधि उपचार भी शामिल होगा। संभव है कि आपको सीजेरियन जन्म करान और स्तनपान न कराने की सलाह भी दी जाए। यह उपचार आपको ठीक तो नहीं करेगा परंतु इससे आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा।

## अधिक जानकारी

आप HIV के बारे में अधिक जानकारी निम्न स्थानों से ले सकते हैं:

- अपनी दाई, अस्पताल के चिकित्सक (आपकी प्रसूति चिकित्सक) या जी.पी. से; या
- अपनी निकटवर्ती NHS यौन स्वास्थ्य चिकित्सालय से – आप अपने स्थानीय अस्पताल पर फोन कर सकते हैं और यौन स्वास्थ्य या GUM चिकित्सालय के लिए पूछ सकते हैं।

# हेपटाइटिस बी

## हेपटाइटिस बी क्या है?

हेपटाइटिस बी एक ऐसा विषाणु है जो यकृत को संक्रमित करता है। हेपटाइटिस बी युक्त अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि वे संक्रमित हैं। हेपटाइटिस बी युक्त अधिकांश वयस्क पूर्ण स्वस्थ हो जाते हैं, परंतु अल्प संख्या में लोग इस विषाणु के 'वाहक' बन जाते हैं। इसके वाहक लोगों में गंभीर यकृत रोग हो सकता है।

यदि एक सगर्भ स्त्री को हेपटाइटिस बी है, तो जन्म लेते समय उसका शिशु भी हेपटाइटिस बी विषाणु के संपर्क में आ सकता है। जिस शिशु को यह विषाणु लग जाता है वह जीवनभर के लिए संक्रमित हो सकता है और उसमें यकृत रोग का जोखिम हो सकता है।


© Public Health Wales

## हेपटाइटिस बी कैसे ग्रस्त कर सकता है?

हेपटाइटिस बी निम्न तरीकों से ग्रस्त कर सकता है:

- संक्रमित माँ द्वारा इसे जन्म के दौरान अपने शिशु में अग्रेषित करने पर;
- संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन क्रिया (कंडोम के बिना) करने पर;
- संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल के साथ संपर्क करने पर;
- शरीर में छिद्र करने या गोदने वाली अस्वच्छ सुईयों के संपर्क में आने पर;
- संक्रमित सुई और इंजेक्शन सामग्री को साझा करने पर; और
- विदेशों में रक्ताधान और चिकित्सकीय प्रक्रिया कराने पर;
- संक्रमित व्यक्ति के घनिष्ठ संपर्क में लंबे समय तक रहने पर;

## सगर्भता के दौरान हेपटाइटिस बी के लिए जाँच करवाने से क्या–क्या लाभ हैं?

हेपटाइटिस बी के लिए परीक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि चिकित्सक शिशु के जन्म से पहले संक्रमण के बारे में जान लेंगे तो जन्म के शीघ्र बाद टीकाकरण की श्रृंखला प्रारंभ करने से शिशु के विषाणु ग्रस्त होने से रोकने में मदद मिलती है। यह टीकाकरण अधिकांश शिशुओं में हेपटाइटिस बी के विकसित होने से बचाता है।

यदि आपको हेपटाइटिस बी है, तो आपके शिशु के संक्रमित होने की संभावना बहुत अधिक (70% तक या 100 बार में 70 तक) होती है। यदि आपने जाँच संबंधी परीक्षण करवाया है और हेपटाइटिस बी ग्राही हैं, तो आपके शिशु का टीकाकरण किया जा सकता है और तब आपके शिशु के संक्रमित होने की संभावना 5% (100 में 5) से कम हो जाएगी।

## सगर्भता के दौरान हेपटाइटिस बी के लिए जाँच न करवाने में क्या–क्या हानियाँ हैं?

यह पता करने का कोई भी समय उपयुक्त नहीं होता कि आप हेपटाइटिस बी ग्राही हैं। तथापि, यदि आपको सगर्भता के दौरान यह पता चलता है, तो शिशु को आपके द्वारा विषाणुग्रस्त होने से रोकने में मदद करने के लिए टीकाकरण किया जा सकता है।

## क्या मुझे हेपटाइटिस बी के लिए जाँच संबंधी परीक्षण करवाना चाहिए?

केवल आप यह निर्णय ले सकती हैं कि परीक्षण करवाना है अथवा नहीं। वेल्स में सभी अस्पतालों में सभी सगर्भ स्त्रियों को हेपटाइटिस बी के लिए जाँच संबंधी परीक्षण प्रदान किया जाता है क्योंकि शिशु को आपके द्वारा विषाणुग्रस्त होने से रोकने में मदद करने के लिए टीकाकरण किया जा सकता है।

## जाँच संबंधी परीक्षण परिणाम से मुझे क्या पता लगेगा?

हेपटाइटिस बी के लिए जाँच आपके रक्त में हेपटाइटिस बी विषाणु को ढूँढता है।

परीक्षण के परिणाम आपको बताते हैं कि आप हेपटाइटिस बी से संक्रमित है अथवा नहीं। यदि परिणाम दर्शाते हैं कि आपको संक्रमण नहीं है, तो यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आप सगर्भ होते हुए भी संक्रमित हो सकती हैं। यदि आप सगर्भता के दौरान यौन साथी बदलती हैं तो आपको कंडोम का प्रयोग करना चाहिए।

यदि आप रक्त नमूना लेने के कुछ सप्ताह पहले हेपटाइटिस बी ग्रस्त हुई है, तो संभव है कि परीक्षण संक्रमण का पता लगाने में सक्षम न हो।

Information for Women

© Public Health Wales

यदि आप सगर्भता के दौरान अपना यौन साथी बदलती हैं या चिंतित हैं कि आप HIV, हेपटाइटिस बी, सिफिलिस या अन्य ऐसी बीमारी से ग्रस्त हो गई हैं, जो लोगों के बीच अग्रेषित होती है, तो अपनी दाई से आप सगर्भता के दौरान किसी भी समय अन्य परीक्षण के लिए कह सकती हैं। आप अपने निकटवर्ती यौन स्वास्थ्य चिकित्सालय में भी गोपनीय परीक्षण करवा सकती हैं। आप अधिक जानकारी www.publichealthwales.org पर प्राप्त कर सकती हैं।

## हेपटाइटिस बी के लिए नैदानिक परीक्षण क्या है?

हेपटाइटिस बी के लिए जाँच संबंधी परीक्षण बहुत सटीक होता है। यदि जाँच संबंधी परीक्षण दर्शाता है कि आपको हेपटाइटिस बी है, तो आपको अन्य रक्त परीक्षणों की आवश्यकता होगी ताकि आपका चिकित्सक आपके शिशु के लिए आवश्यक टीकाकरणों की योजना बना सके।

## यदि मुझे हेपटाइटिस बी है तो क्या होगा?

यदि आपको हेपटाइटिस बी है, तो आपकी दाई या चिकित्सक आपसे चर्चा करेंगे कि यह आपको कैसे प्रभावित करेगा।

संभव है कि आप इस पर भी चिंतित हों कि आपके परिवार में अन्य व्यक्ति भी संक्रमित हैं। यदि आवश्यक हो तो उनका परीक्षण और टीकाकरण भी किया जा सकता है।

# सिफिलिस

## सिफिलिस क्या है?

सिफिलिस एक गंभीर जीवाणु संक्रमण है। सिफिलिस युक्त अधिकांश व्यक्ति पहले केवल अल्प समय के लिए अस्वस्थ होते हैं और यह नहीं जानते कि वे इससे ग्रस्त हैं। परंतु यदि सिफिलिस का उपचार नहीं किया जाता, तो वह बाद के जीवन में गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर सकता है, इसमें मस्तिष्क में क्षति और हृदय की समस्याएँ शामिल है।

## सिफिलिस कैसे ग्रस्त कर सकता है?

सिफिलिस निम्न तरीकों से ग्रस्त कर सकता है:

- एक सिफिलिस ग्रस्त स्त्री द्वारा सगर्भता के दौरान अपने अजन्मे शिशु पर संक्रमण अग्रेषित करने पर; या
- संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित योन क्रिया (कंडोम के बिना) करने पर;

## सगर्भता के दौरान सिफिलिस के लिए जाँच करवाने से क्या–क्या लाभ हैं?

प्रारंभिक सगर्भता में प्रतिजैविक औषधियों द्वारा उपचार करने पर आपको मदद मिल सकती है और सामान्यतः आपके शिशु के सिफिलिस ग्रस्त होने से बचाव हो सकता है। कभी–कभी शिशुओं को भी जन्म के बाद प्रतिजैविक औषधि लेने की आवश्यकता पड़ती है। यदि सगर्भता के दौरान आपको सिफिलिस होता है, तो इसके परिणामस्वरूप गर्भपात हो सकता है या आपके शिशु को क्षति पहुँच सकती है।

## सगर्भता के दौरान सिफिलिस के लिए जाँच करवाने से क्या–क्या हानियाँ हैं?

यह पता करने का कोई भी समय उपयुक्त नहीं होता कि आपको सिफिलिस है। तथापि, यदि आपको सगर्भता के दौरान यह पता चलता है, तो आप अपने शिशु में बड़ी समस्याएं विकसित होने से रोकने के लिए उपचार ले सकते हैं।

Information for Women
© Public Health Wales

## क्या मुझे सिफिलिस के लिए जाँच संबंधी परीक्षण करवाना चाहिए?

केवल आप यह निर्णय ले सकती हैं कि परीक्षण करना है अथवा नहीं। वेल्स में सभी अस्पतालों में सभी सगर्भ स्त्रियों को सिफिलिस के लिए जाँच संबंधी परीक्षण प्रदान किया जाता है क्योंकि प्रतिजैविक औषधियों से उपचार द्वारा आपके शिशु में बड़ी समस्याएं विकसित होने से रोकने में मदद मिलती है।

## जाँच संबंधी परीक्षण के परिणाम मुझे क्या बताएगा?

सिफिलिस के लिए जाँच आपके रक्त में प्रतिपिण्डों की माप करता है।

परीक्षण के परिणाम आपको बताते हैं कि आपको सिफिलिस संक्रमण है अथवा नहीं। यदि परिणाम दर्शाते हैं कि आपको संक्रमण नहीं है, तो यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि सगर्भ होते हुए भी आपको सिफिलिस हो सकता है। यदि आप सगर्भता के दौरान यौन साथी बदलती हैं तो आपको कंडोम का प्रयोग करना चाहिए।

यदि आप रक्त नमूना लेने के कुछ सप्ताह पहले सिफिलिस ग्रस्त हुई है, तो संभव है कि आपके शरीर ने प्रतिपिण्डों को उत्पन्न करना प्रारंभ न किया हो और परीक्षण संक्रमण का पता लगाने में सक्षम नहीं होगा।

यदि आप सगर्भता के दौरान अपना यौन साथी बदलती हैं या चिंतित हैं कि आप HIV, हेपटाइटिस बी, सिफिलिस या अन्य ऐसी बीमारी से ग्रस्त हो गई हैं, जो लोगों के बीच अग्रेषित होती है, तो अपनी दाई से आप सगर्भता के दौरान किसी भी समय अन्य परीक्षण के लिए कह सकती हैं। आप अपने निकटवर्ती यौन स्वास्थ्य चिकित्सालय में भी गोपनीय परीक्षण करवा सकती हैं। आप अधिक जानकारी www.publichealthwales.org पर प्राप्त कर सकती हैं।

## सिफिलिस के लिए नैदानिक परीक्षण क्या है?

सिफिलिस के लिए जाँच संबंधी परीक्षण के परिणामों को समझना हमेशा आसान नहीं होता। कभी–कभी जाँच संबंधी परीक्षण ग्राही मिलेंगे क्योंकि आपको अतीत में सिफिलिस हुआ था और उसका उपचार हो चुका है, या आपको कोई भिन्न और अपेक्षाकृत कम गंभीर समस्या हुई हो। यदि जाँच संबंधी परीक्षण ग्राही होता है, तो इस प्रकार की बीमारियों में विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सक से आपकी मुलाकात कराई जाएगी। यह चिकित्सक निदान और सबसे उपयुक्त उपचार निर्धारित करने के लिए आपसे प्रश्न पूछेगा, इनमें आपके पिछले संक्रमण से संबंधित प्रश्न भी शामिल होंगे।

## यदि मुझे सिफिलिस है तो क्या होगा?

यदि आपको सिफिलिस है तो आपकी दाई और चिकित्सक आपसे बात करेंगे कि यह आपको कैसे प्रभावित करेगा। संभवतः आपको प्रतिजैविक औषधि दी जाए एवं अधिक रक्त परीक्षणों की आवश्यकता पड़े।

## अधिक जानकारी

आप सिफिलिस के बारे में अधिक जानकारी निम्न स्थानों से ले सकते हैं:

- अपनी दाई, अस्पताल के चिकित्सक (आपकी प्रसूति चिकित्सक) या जी.पी. से; या
- अपनी निकटवर्ती NHS यौन स्वास्थ्य चिकित्सालय से – आप अपने स्थानीय अस्पताल पर फोन कर सकते हैं और यौन स्वास्थ्य या GUM चिकित्सालय के लिए पूछ सकते हैं।



© Public Health Wales

# रूबेला (जर्मन खसरा)

आप रूबेला से सुरक्षित हैं अथवा नहीं, इसकी जाँच करने पर इस सगर्भता में शिशु को रूबेला से सुरक्षा प्राप्त नहीं होगी।
यदि आप रूबेला से सुरक्षित नहीं (रूबेला सुग्राही) हैं, तो आपको सगर्भता के उपरांत टीकाकरण पदान किया जाएगा। इससे आपको बाद की सगर्भताओं में रूबेला से प्रभावित होने से सुरक्षा मिलेगी।

## रूबेला क्या है?

रूबेला या जर्मन खसरा बचपन की एक आम बीमारी है। यह एक विषाणु संक्रमण है और आसानी से एक से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यह सामान्यतः हल्की बीमारी है। जिस व्यक्ति को रूबेला होता है, सामान्यतः उसे लगभग एक सप्ताह के लिए पित्तिका और अस्वस्थता रहती है।

तथापि, यदि आप सगर्भता के आरंभिक 12 सप्ताह में रूबेलाग्रस्त होती हैं, तो इससे आपके शिशु के मस्तिष्क, हृदय, आँखों और श्रवण क्षमता पर गंभीर क्षति पहुँचती है। इसे जन्मजात रूबेला संलक्षण कहते हैं।

## रूबेला कैसे ग्रस्त कर सकता है?

रूबेला निम्न तरीकों से ग्रस्त कर सकता है:

- संक्रमित व्यक्ति के नाक या गले के तरल से सीधे संपर्क में आने पर; और
- संक्रमित व्यक्ति के छींकने, खांसने या बातें करने पर हवा में फैली बूँदों को साँस द्वारा लेने पर।

## सगर्भता के दौरान रूबेला की सुग्राहता के लिए जाँच करवाने से क्या–क्या लाभ हैं?

यदि आप रूबेला से सुरक्षित नहीं हैं, तो आपको सगर्भता समाप्त होने पर मीजिस्ल, मंप्स एंड रूबेला (MMR) टीके के दो प्रतिरक्षीकरण प्रदान किए जाएंगे। आपको यह याद रखना चाहिए कि जाँच हेतु परीक्षण केवल यह पता लगाने के लिए है कि आप रूबेला से सुरक्षित हैं अथवा नहीं। यह परीक्षण रूबेला संक्रमण का पता नहीं लगाता और यदि शिशु रूबेला संक्रमण से प्रभावित है तो यह प्रदर्शित नहीं करता। आपको सगर्भता के दौरान टीकाकरण नहीं दिया जाना चाहिए।

## क्या मुझे यह देखने के लिए जाँच हेतु परीक्षण करवाना चाहिए कि मैं रूबेला से सुरक्षित हूँ अथवा नहीं?

केवल आप यह निर्णय ले सकती हैं कि परीक्षण करना है अथवा नहीं। वेल्स के सभी अस्पतालों में सभी सगर्भ स्त्रियों को यह  जाँच संबंधी परीक्षण प्रदान किया जाता है कि व रूबेला से सुरक्षित हैं अथवा नहीं?

भले ही आपने अतीत में रूबेला टीकाकरण लिया है, तो भी आपकी सगर्भता में रक्त परीक्षण करना महत्वपूर्ण है। टीकाकरण करवाए स्त्रियों में लगभग 5% (100 में 5) सुरक्षित नहीं होतीं।

## आप रूबेला से सुरक्षित हैं अथवा नहीं इसे जानने का नैदानिक परीक्षण क्या है?

आप रूबेला से सुरक्षित हैं अथवा नहीं इसे जानने के लिए जाँच संबंधी परीक्षण बहुत सटीक होता है और आपको सामान्यतः कोई अतिरिक्त परीक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ती।

Information for Women
© Public Health Wales

## यदि मैं रूबेला से सुरक्षित नहीं हूँ तो क्या होगा?

यदि परीक्षण दर्शाते हैं कि आप सुरक्षित नहीं है, तो आपको भावी सगर्भताओं में सुरक्षा के लिए दो MMR टीकाकरण प्रदान किए जाएंगे। पहला टीकाकरण इस सगर्भता के अंत में होना चाहिए और दूसरा टीकाकरण 4 सप्ताह बाद होना चाहिए।

## अधिक जानकारी

यदि आपको पित्तिका होती है या आप सगर्भता के दौरान किसी पित्तिका वाले व्यक्ति के संपर्क में आती हैं, तो अपनी दाई या चिकित्सक को बताएं। आपको यह देखने के लिए अन्य रक्त परीक्षण करवाने की आवश्यकता हो सकती है कि आप रूबेला या पित्तिका उत्पन्न करने वाले अन्य विषाणु संक्रमण से ग्रस्त हैं या नहीं।

© कॉपीराइट 2010 पब्लिक हेल्थ वेल्स NHS ट्रस्ट। सर्वाधिकार सुरक्षित। कॉपीराइट धारक की अनुमति के बिना पूरा या आंशिक रूप से पुनर्प्रस्तुत न किया जाए।
www.antenatalscreening.org
अप्रैल 2010
आई.पी. 9वां संस्करण

Information for Women

© Public Health Wales